Measurement of Personality

व्यक्तित्व मापन का एक अर्थ यह है कि व्यक्तित्व किन-२ शीलगुणों से संरचित है, और दूसरा अर्थ यह है कि व्यक्तित्व उन शीलगुणों से कैसे संरचित है। अतः व्यक्तित्व मापन का उद्देश्य किसी व्यक्ति के शीलगुणों की संख्या को निर्धारित करना है तथा उसके संगठन को निर्धारित करना है।

व्यक्तित्व का मापन जीवन के भिन्न-२ क्षेत्रों में सार्थक सिद्ध होता है। किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व को मापने के बाद उसके सम्बन्ध में भविष्यवाणी करना संभव होता है, जिससे पारिवारिक समायोजन, सामाजिक, वैवाहिक, व्यवसायिक समायोजन आदि में काफी मदद मिलती है।

प्रक्षेपण परीक्षण का अर्थ वह परीक्षण है जो किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व का मापन उसके द्वारा अस्पष्ट उत्तेजनाओं के प्रति दी गयी प्रतिक्रियाओं के आधार पर किया जाता है।

प्रक्षेपण शब्द freud के प्रक्षेपण से थोड़ा भिन्न अर्थ रखता है। freud ने प्रक्षेपण का व्यवहार एक संकुचित अर्थ में किया और कहा कि व्यक्ति प्रक्षेपण के माध्यम से अपने अवांछित शीलगुणों को दूसरों पर आरोपित करता है,

लेकिन व्यक्तित्व के क्षेत्र में प्रक्षेपण वह मानसिक रचना है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने वांछित – अवांछित सभी शीलगुणों को दूसरों पर आरोपित करता है।

प्रक्षेपण परीक्षण कई अभिधारणाओं पर आधारित है—

(1) व्यक्ति स्वभावतः अपने शीलगुणों को दूसरे व्यक्ति, परिस्थिति या उत्तेजना पर आरोपित करता है।

(2) यह आरोपण सबसे अधिक और यथार्थतः होता है जबकि उत्तेजना या परिस्थिति अस्पष्ट होती है।

(3) प्रत्यक्ष रूप से मापने की अपेक्षा अप्रत्यक्ष रूप से व्यक्तित्व को मापने पर, मापन अधिक सही होता है।

(4) व्यक्तित्व का एक बड़ा भाग अचेतन है, अचेतन व्यक्तित्व का मापन सही अर्थ में अस्पष्ट परिस्थिति में ही संभव होता है, क्योंकि अस्पष्ट परिस्थिति में चेतन निष्क्रिय बन जाता है और अचेतन सक्रिय बन जाता है।